नाग बिराजे गले में जिनके सर पे गंगा सवार रूप दिगंबर का धरे जग के पालनहार Bhajans

नाग बिराजे गले में जिनके सर पे गंगा सवार,
रूप दिगंबर का धरे जग के पालनहार।
चार वेद और छे शाश्त्रों ने कहा यही हर बार,
देवों के महादेव जी भोले तेरी महमा अप्रमपार॥

चंदा सा मुखड़ा , मस्तक पे ,
गंगा जी सर पर , देखो देवों में हैं।
बाबा भूतनाथ जी देवों की सुनते हैं,
हमारे भोले बाबा भगतों की सुनते हैं॥

अरे भेस है योगी जैसा जिनका लेकिन ,
ऐसा चमके मुख मंडल सूरज को करदे .
बागम्बर कमर में , और भांग धतूरा ,
कर देते इनमे वो है।
बाबा भूतनाथ जी भगतों की सुनते हैं॥

हर एक दर पे जाकर मने करके है है जाना,
सबसे है भोले बाबा कहता यही यमाना।

अदबुध है जिनकी , जिनसे है और ,
देते जो है।
हमारे भोले बाबा भगतों की सुनते हैं॥

अरे भूत प्रेत की लिए हैं अलख बम भोले,
कैलाश पे लख्खा जिनका डमरू डम डम डम डम बोले।
मैया जी बैठी , दुष्टों से करती ,
नैयनो में लख्खा भी है।

Source:
https://www.bharattemples.com/naag-biraaje-gale-mein-jinake-sar-pe-ganga/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw